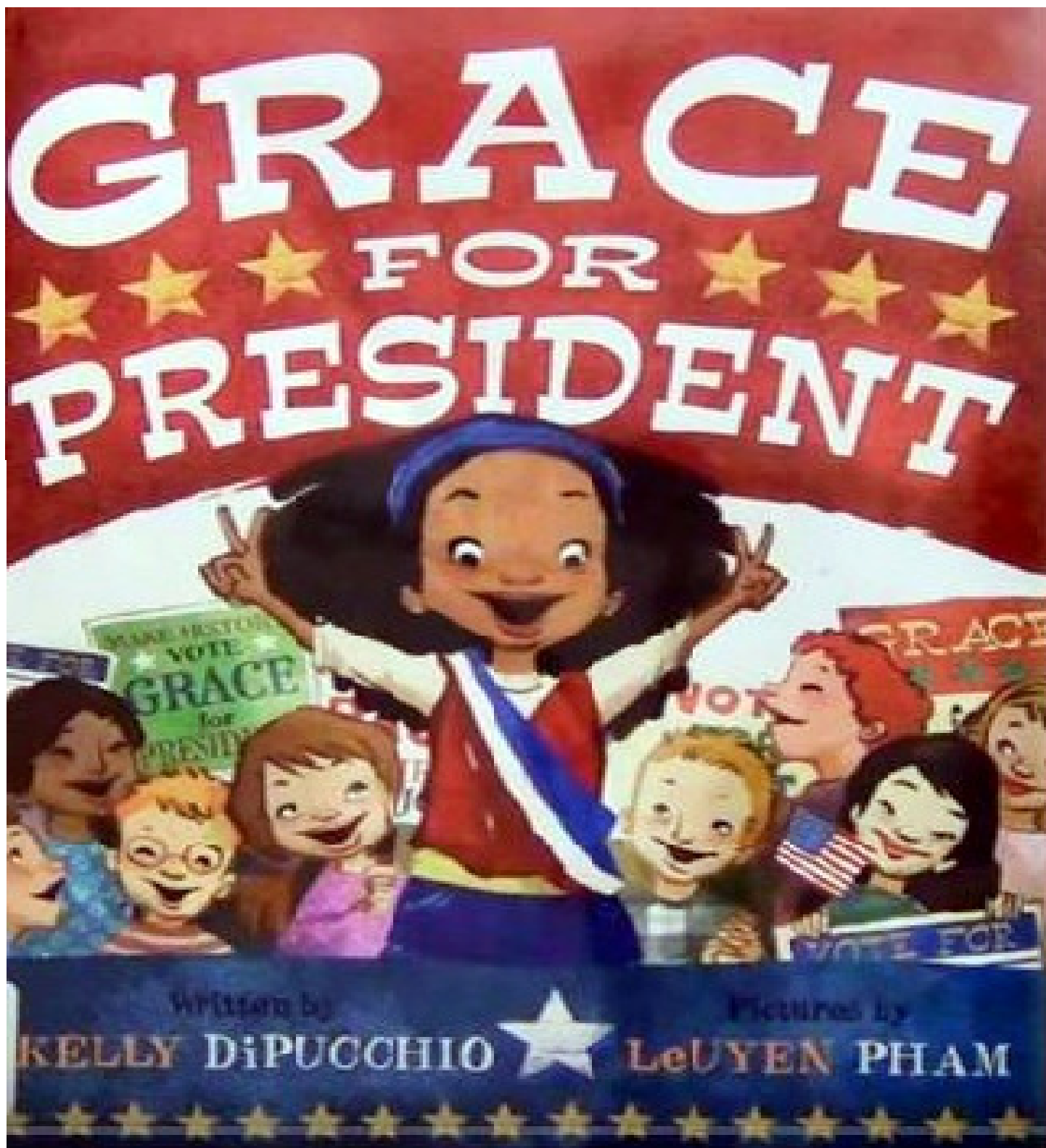


राष्ट्रपति के लिए ग्रेस

केली, चित्र: लेयून फाम, हिंदी: विदूषक





सितम्बर में एक सोमवार को मिसेज़ बैरिंगटन ने, अपने क्लास में एक बड़ा पोस्टर लगाया जिसपर अमरीका के सभी पूर्व राष्ट्रपतियों के चित्र थे. जब ग्रेस कैम्पबेल ने उसे देखा तो उसे अपनी आँखों पर यकीन नहीं हुआ.

**इसमें
लड़कियां
कहाँ हैं ?**



“तुमने बहुत अच्छा सवाल पूछा!” मिसेज़ बैरिंगटन ने कहा.
“पर सच्चाई यह है कि हमारे देश में आजतक कोई महिला
राष्ट्रपति नहीं बनी.”

“कभी कोई महिला नहीं?”
ग्रेस ने पूछा.

“नहीं, यह बहुत अफ़सोस की बात हैं,”
मिसेज़ बैरिंगटन ने कहा.



ग्रेस अपनी डेस्क पर बैठी
सोचती रही.
कोई लड़की नहीं?
यह तो बड़ी अजीब बात है?

अंत में ग्रेस ने अपना हाथ
उठाया.



“हाँ ग्रेस, बोलो?”

“मैंने इस बारे में काफी सोचा है.
मैं अमरीका की राष्ट्रपति
बनना चाहती हूँ.”

यह सुनकर क्लास
के कई बच्चे हँसे.



“मुझे तुम्हारा यह विचार बहुत उम्दा लगा, ग्रेस!” मिसेज़ बैरिंगटन ने कहा. “हम लोग अपने स्कूल - वूड्रो विल्सन एलीमेंट्री स्कूल में ही इलेक्शन करवा सकते हैं!”

यह सुनकर बच्चों का हँसना बंद हुआ.
उनकी जगह अब ग्रेस मुस्कुरा रही थी.
“क्या कोई राष्ट्रपति के लिए खड़ा होना चाहेगा?”
मिसेज़ बैरिंगटन ने क्लास से पूछा.

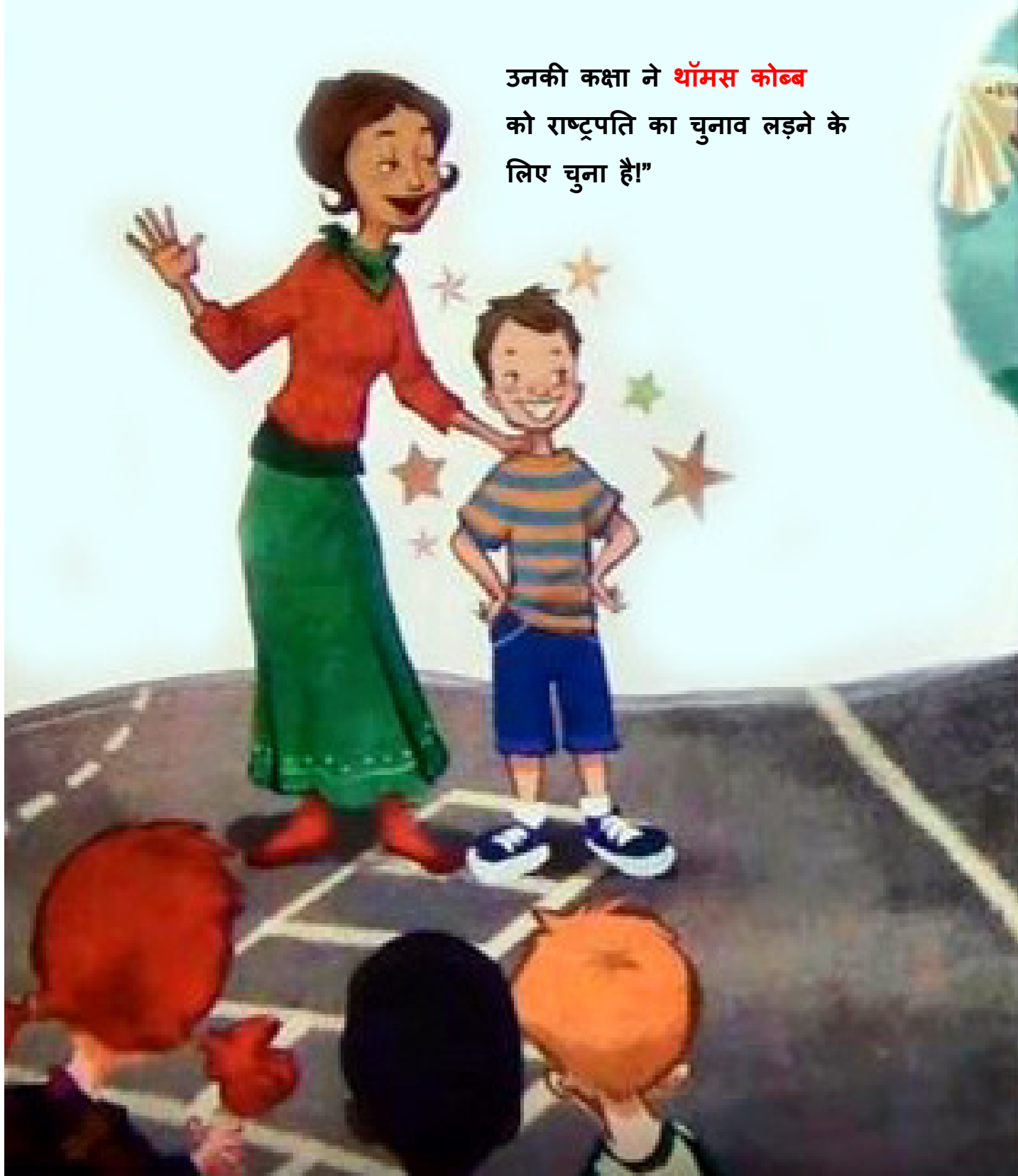
किसी भी छात्र ने अपना सिर नहीं उठाया.



राष्ट्रपति बनना काफी आसान होगा! ग्रेस ने सोचा.

अगले दिन मिसेज़ बैरिंगटन ने क्लास में एक घोषणा की.
“प्रजातंत्र के नाम पर मैंने मिस्टर वालर की क्लास को भी इलेक्शन में
भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है.

उनकी कक्षा ने **थॉमस कोब**
को राष्ट्रपति का चुनाव लड़ने के
लिए चुना है!”

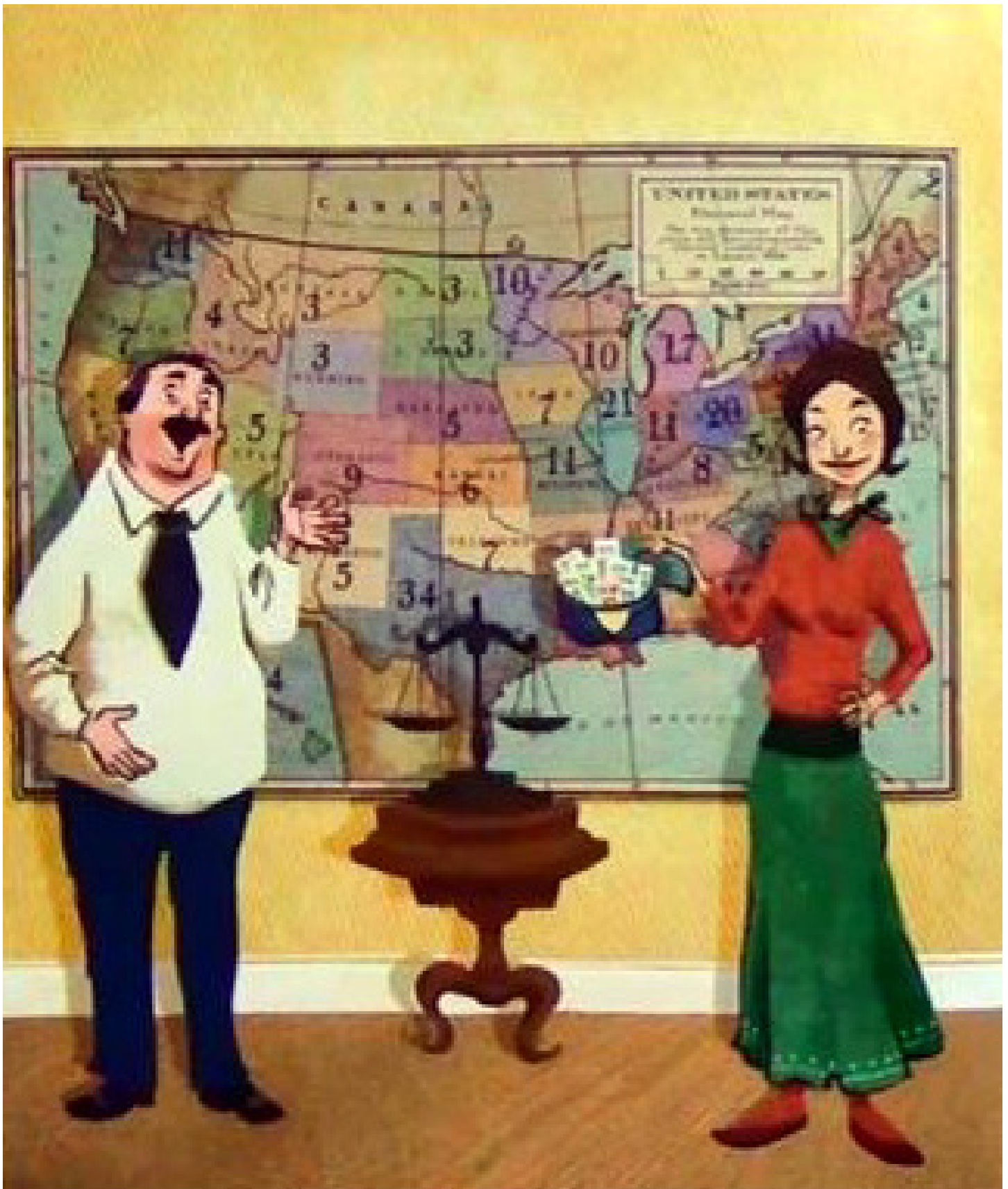




यह सुनकर ग्रेस का दिल बैठ गया.

थॉमस स्कूल में “स्पेल्लिंग-बी” का चैंपियन था. उसे विज्ञान मेले में “ब्लू-रिबन” पुरस्कार भी मिला था. वो स्कूल की फुटबाल टीम का भी कप्तान था.

राष्ट्रपति का चुनाव जीतना कोई आसान काम नहीं होगा, ग्रेस को अब समझ में आया.



उसके बाद दोनों क्लास टीचर्स ने अमरीका के सभी राज्यों के नाम (उनमें उनका कोलंबिया डिस्ट्रिक्ट भी शामिल था) की पर्चियां बनायीं और उन्हें एक टोपी में डाला. ग्रेस और थॉमस को छोड़कर बाकी सभी बच्चों ने, एक-एक पर्ची उठाकर अपना-अपना राज्य चुना.

“में टेक्सास हूँ!” अन्थोनी ने कहा.

“में न्यू-हैम्पशायर हूँ!” रोज़ ने कहा.

“में मिशीगिन हूँ!” रोबिन ने कहा, “पर हाँ, नंबर 17 का क्या मतलब है?”



“हर राज्य के लिए कुछ चुनावी-वोट्स निर्धारित किए जाते हैं. यह संख्या उस राज्य में कितने लोग रहते हैं, उसपर निर्भर करती है,” मिसेज़ बैरिंगटन ने बताया. “आप सभी लोग, अपने-अपने राज्यों के प्रतिनिधि होंगे.”

“कुल मिलकर हमारे देश में 538 चुनावी-वोट हैं,” मिस्टर वालर ने समझाते हुए कहा. “चुनाव वाले दिन, जिस प्रत्याक्षी को 270 या उससे ज्यादा वोट मिलेंगे, वही इलेक्शन जीतगा.”

“270 ही क्यों?” रोज़ ने पूछा.

“क्योंकि यह संख्या कुल चुनावी-वोटों की आधी से ज्यादा है,” मिस्टर वालर ने कहा.

राष्ट्रपति बनना कोई आसान काम नहीं होगा, ग्रेस को लगा.



ग्रेस के चुनावी प्रचार का मुख्य मुद्दा था :

**नया इतिहास रचो !
ग्रेस कैम्पबेल
को प्रेसिडेंट बनाओ !**

थॉमस कोब्ब का प्रचार नारा कुछ अलग था :

**सबसे अच्छे आदमी
- थॉमस कोब्ब
को राष्ट्रपति पद के
लिए चुनो !**



ग्रेस ने उन मुद्दों की सूची बनाई जो छात्रों के लिए अहम् थे.
उनके आधार पर उसने चुनावी वादे किए.



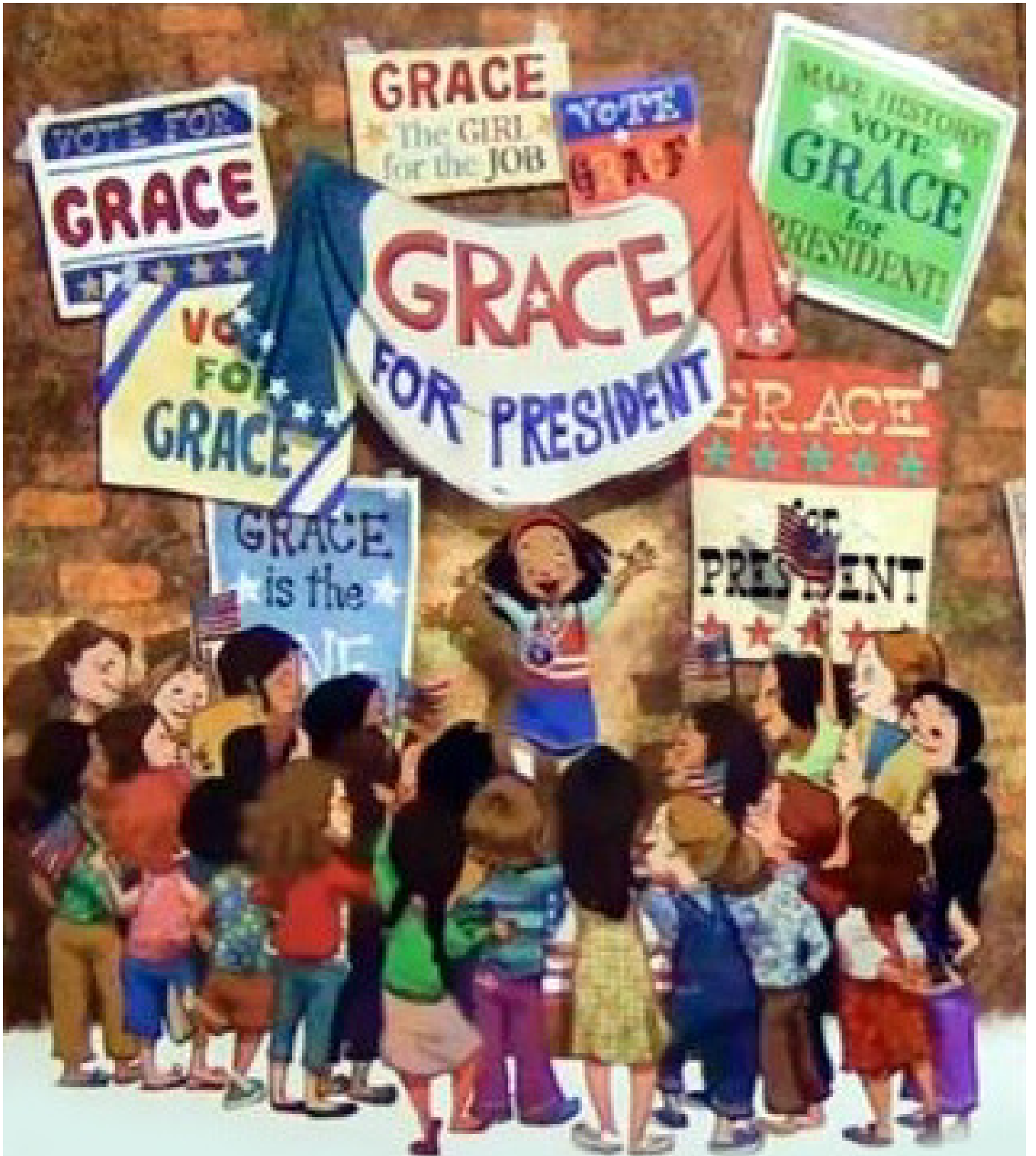
स्कूल में शांति :
गुंडों से मुक्ति
स्वच्छ स्कूल :
कचरे / गंदगी से मुक्ति
सेहतमंद खाना :
चिप्स / कोला से मुक्ति

थॉमस ने भी तमाम चुनावी वायदे किए:

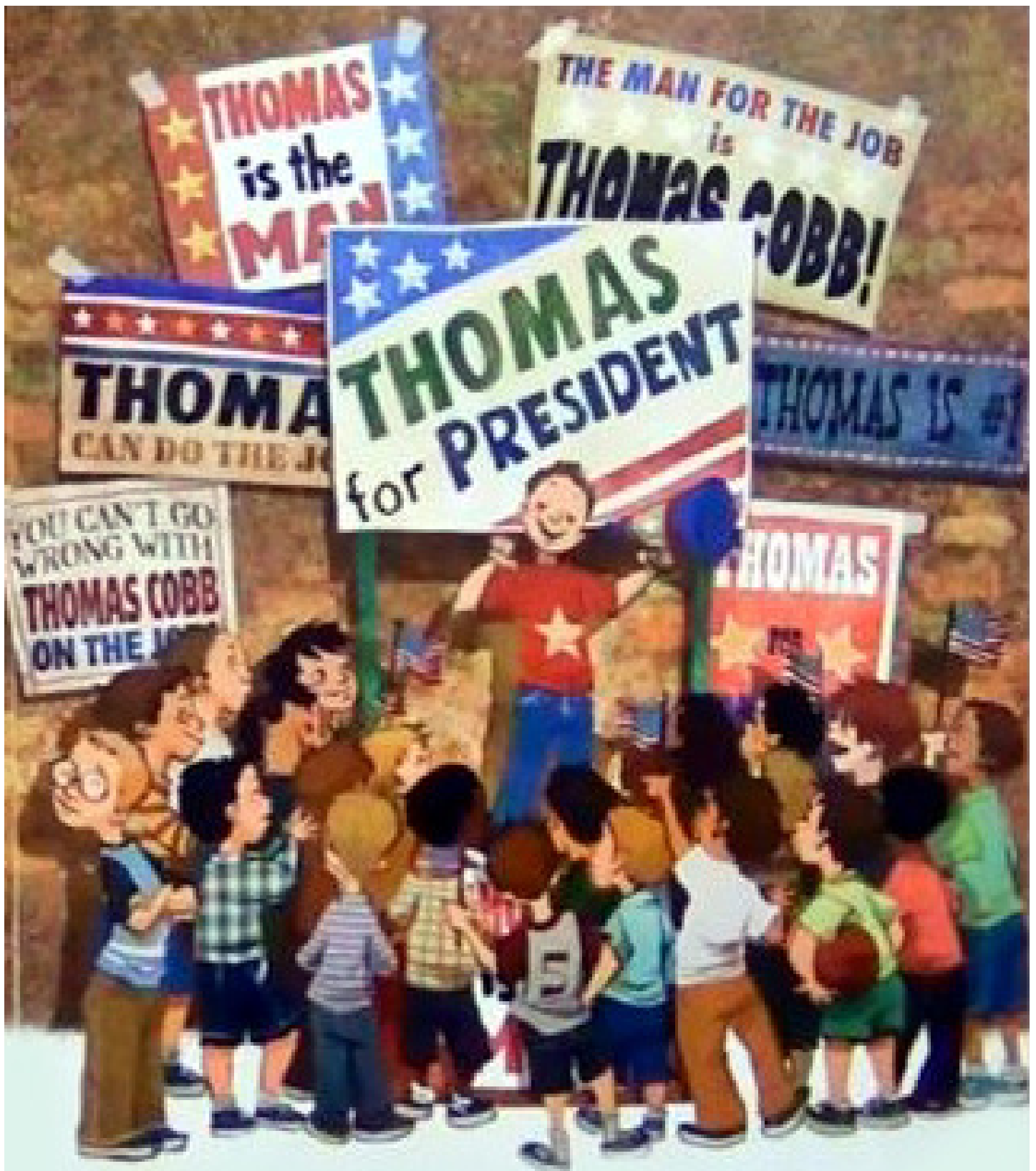


ग्रेस ने अपने चुनावी प्रचार के लिए पोस्टर बनाये.
थॉमस ने भी अपने चुनावी प्रचार के लिए पोस्टर बनाये.

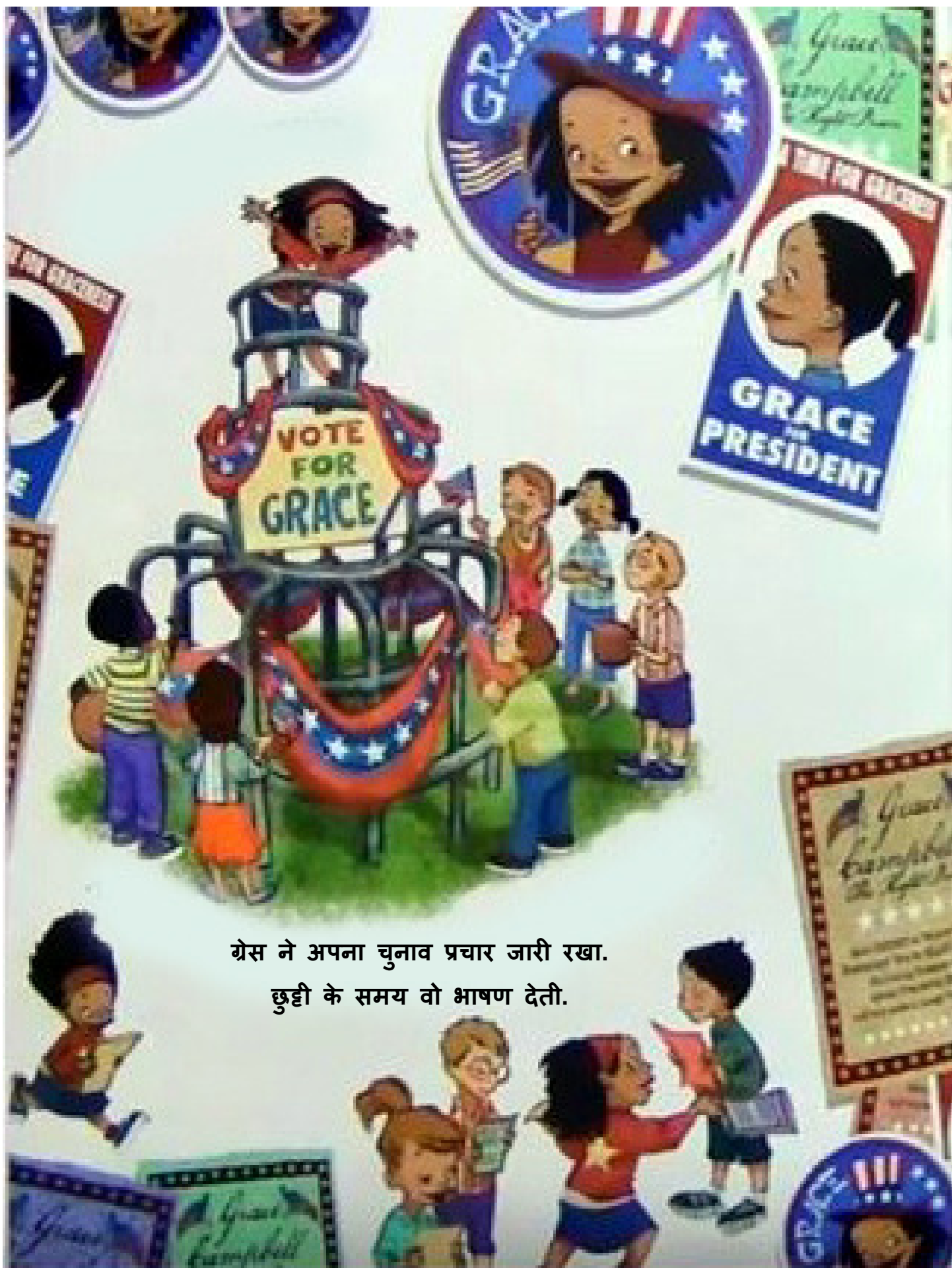
स्कूल के बाद मुफ्त पढाई
फुटबाल की निशुल्क ट्रेनिंग
हर हफ्ते आलू चिप्स



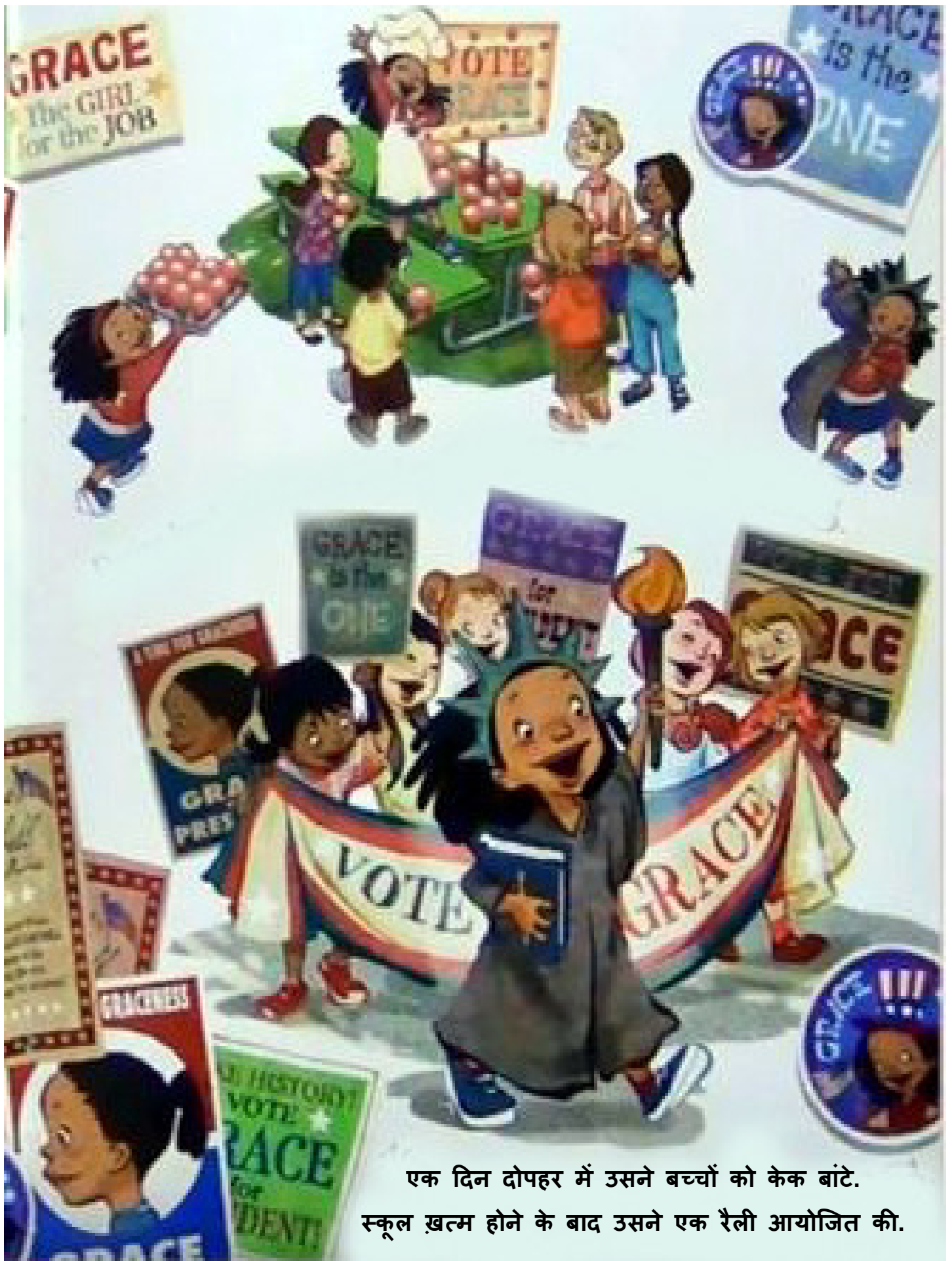
टीचर्स ने हर हफ्ते कुछ समय तय किया जब प्रत्याक्षी, वोट डालने वाले मतदाताओं से मिलकर अपनी नीतियां उन्हें समझा सकते थे.



कैंडिडेट्स के भाषण सुनकर, लोग उन्हें वोट दे या न दे,
वो अपना मन बना सकते थे.



ग्रेस ने अपना चुनाव प्रचार जारी रखा.
छुट्टी के समय वो भाषण देती.



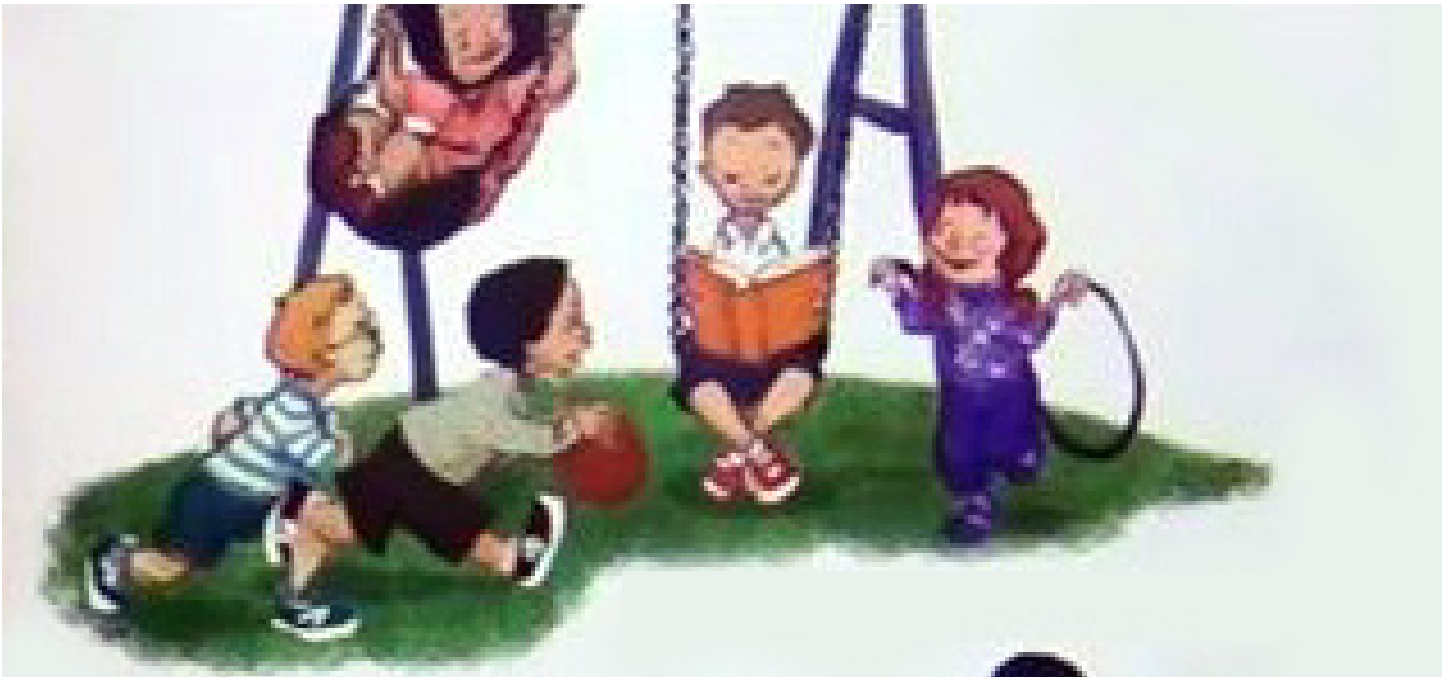
एक दिन दोपहर में उसने बच्चों को केक बांटे.
स्कूल खत्म होने के बाद उसने एक रैली आयोजित की.



इस बीच थॉमस परेशान नहीं था.

उसने होशियारी से पूरा हिसाब - किताब लगाया था.

लड़कों के हाथों में, लड़कियों की अपेक्षा, ज्यादा चुनावी-वोट थे.



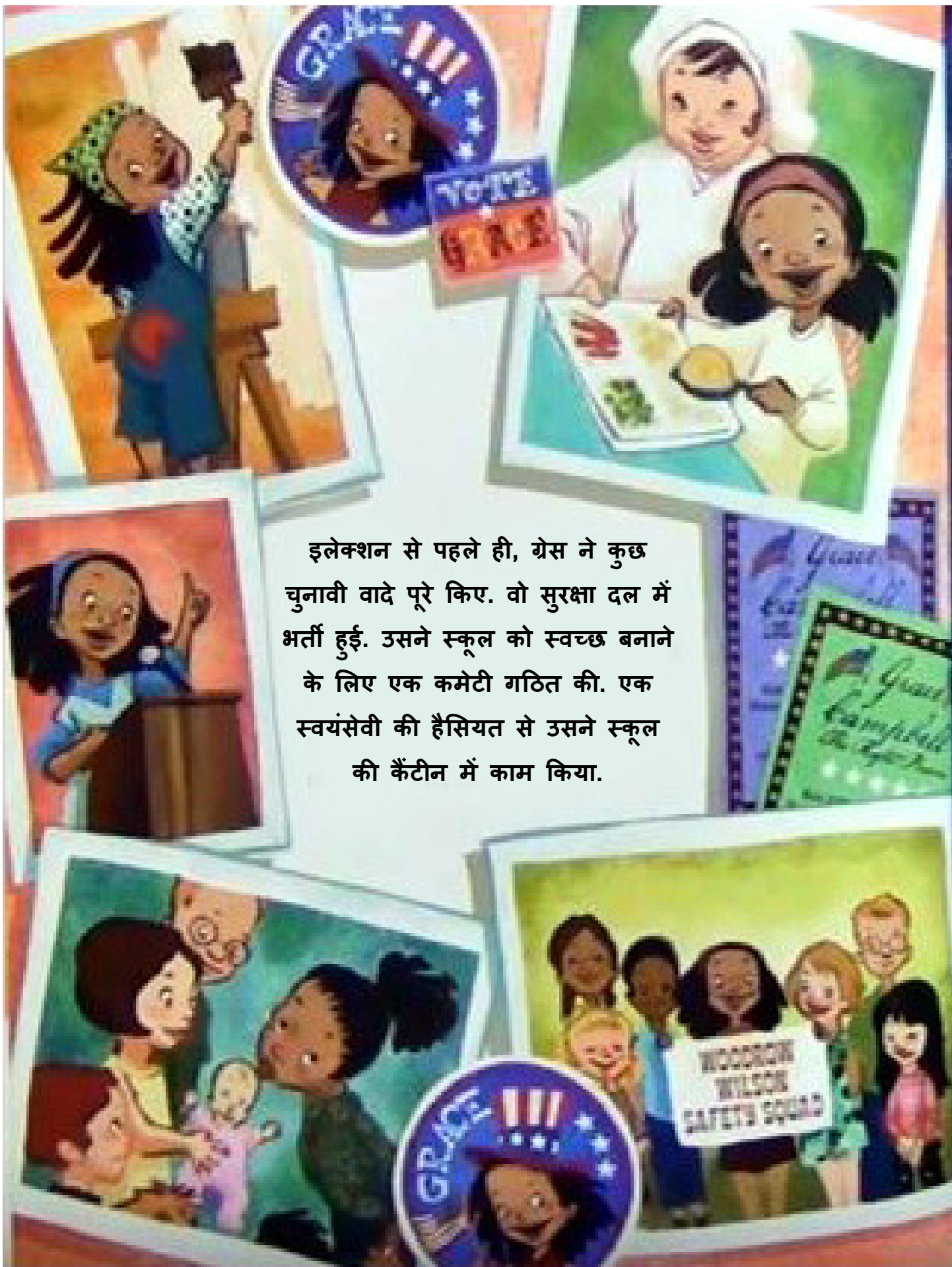
बीच की छुट्टी में थॉमस “स्पेल्लिंग्स”
का अभ्यास करता था.

दोपहर की छुट्टी में वो विज्ञान का कोई
नया प्रयोग करता था.



स्कूल के बाद वो फुटबाल का अभ्यास
करता था.





इलेक्शन से पहले ही, ग्रेस ने कुछ
चुनावी वादे पूरे किए. वो सुरक्षा दल में
भर्ती हुई. उसने स्कूल को स्वच्छ बनाने
के लिए एक कमेटी गठित की. एक
स्वयंसेवी की हैसियत से उसने स्कूल
की कैंटीन में काम किया.





नवम्बर की शुरुआत में, वूड्रो विल्सन एलीमेंट्री स्कूल में इलेक्शन से पहले एक विशेष सभा आयोजित हुई. उसके लिए ग्रेस और थॉमस, शिक्षकों के साथ, मंच पर खड़े हुए और स्कूल के बैंड ने संगीत बजाया.

हेनरी लाउडस्पीकर पर बोलने वाला पहला प्रतिनिधि था.



उसके बाद फ्लेचर ने कहा.



फिर हन्नाह ने कहा.

फिर यह सिलसिला चलता रहा. एक राज्य के बाद दूसरे राज्य ने, अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया. इस बीच, बच्चों का एक दल, डाले गए वोटों की गिनती करता रहा.

जल्दी ही वोटिंग का सारा काम खत्म हुआ. कुछ देर बाद कलारा मंच पर आई.



विस्कॉन्सिन
की बेजर स्टेट
अपने 10 चुनावी-
वोट, ग्रेस
कैम्पबेल के पक्ष
में डालती है.



ग्रेस ने एक नज़र स्कोर बोर्ड पर डाली.
थॉमस के 268 वोट थे और उसके 267.
अब वोट डालने के लिए सिर्फ एक राज्य –
व्योमिंग ही बाकी बचा था.



व्योमिंग



थॉमस मुस्कुराया.

ग्रेस का चेहरा मुरझाया.

उसके बाद सैम मंच पर आया.

उसने थॉमस के चेहरे को देखा.

उसने ग्रेस को देखा.

उसने हाथ से बनाये ग्रेस के झंडे को भी देखा.

सैम एक शब्द नहीं बोला.

“तुम किसका इंतज़ार कर रहे हो?”

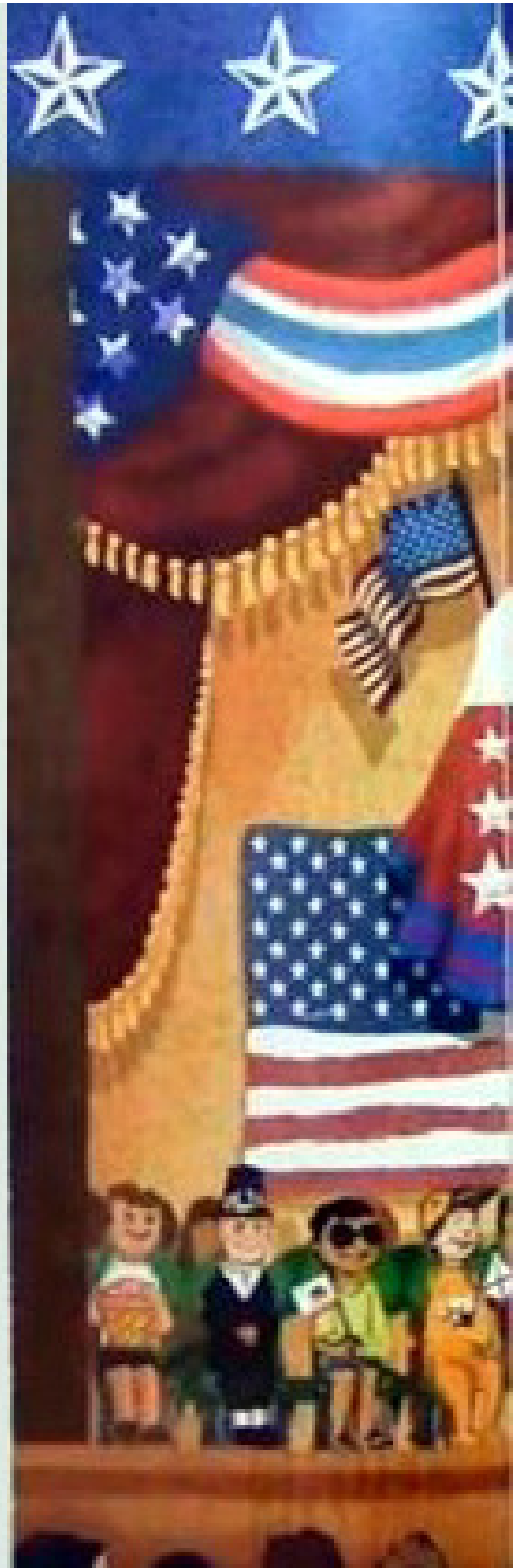
थॉमस ने फुसफुसाते हुए कहा.

बैंड ने संगीत बंद किया.

सारी आँखें अब व्योमिंग पर गड़ीं थीं.

अंत में सैम ने अपना गला साफ़ किया

और कहा.



व्योमिंग की इक्वलिटी
स्टेट अपने 3 चुनावी
वोट



ग्रेस कैम्पबेल के पक्ष में डालता है !



यह सुनते ही सब लोग उछलने लगे. कुछ लोग दुखी भी हुए.

मिसेज़ बैरिंगटन मंच पर आयीं और उन्होंने ऐलान किया:

“270 वोटों के साथ ग्रेस कैम्पबेल ने चुनाव जीता है.”

थॉमस एकदम सकपका गया. ग्रेस ने सैम को गले लगाया.

“तुमने मेरे पक्ष में वोट क्यों डाला?” उसने पूछा.

“सैम ने ग्रेस के हाथ में झंडा दिया और कहा.

“क्योंकि मुझे लगा कि तुम इस काम के लिए
सबसे काबिल इंसान हो!”

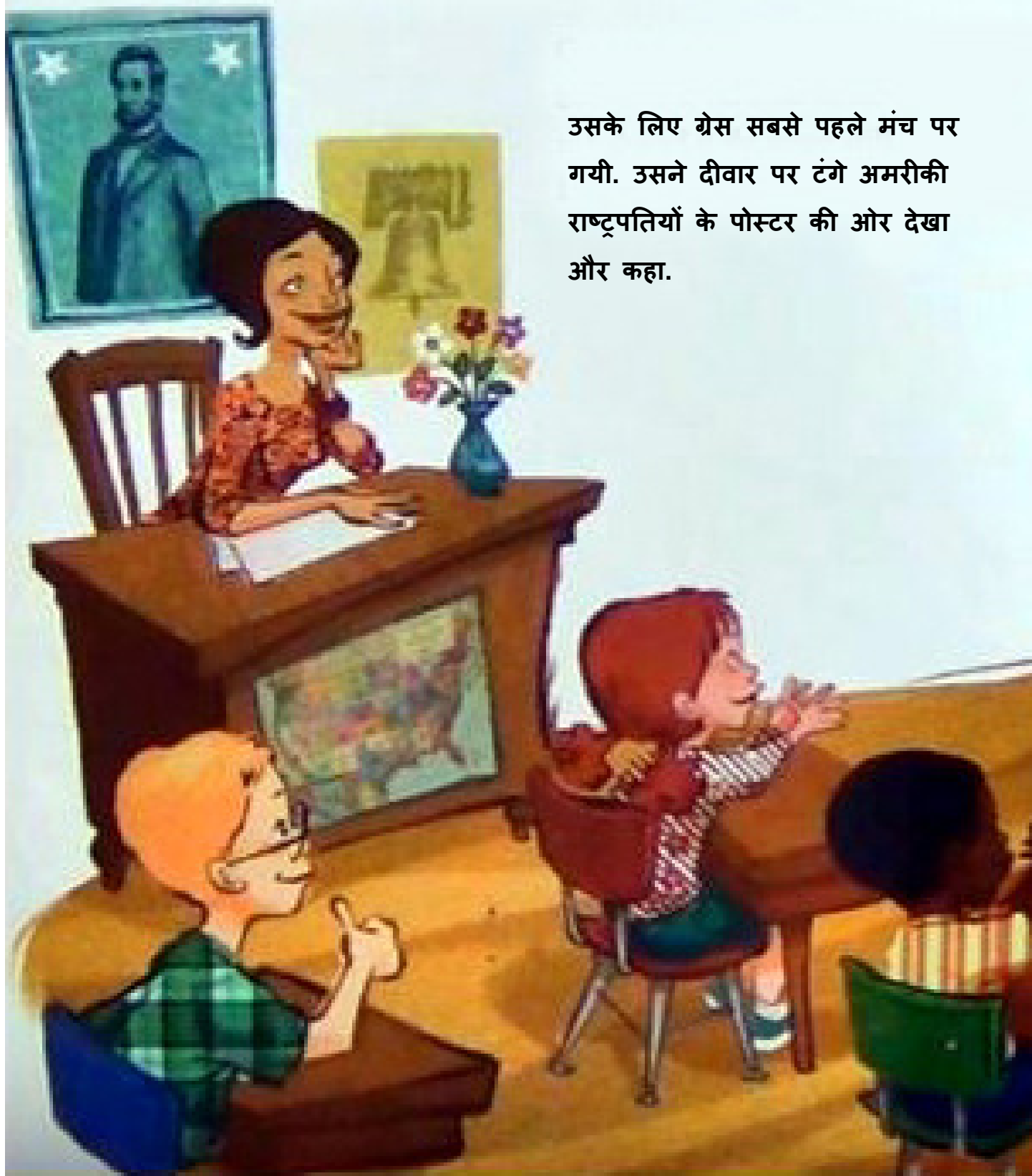


अगले हफ्ते मिसेज़ बैरिंगटन के क्लास में बच्चे

“कौन सा पेशा चुनेंगे”

इस विषय के बारे में अपनी-अपनी राय पेश करनी थी.

उसके लिए ग्रेस सबसे पहले मंच पर गयी. उसने दीवार पर टंगे अमरीकी राष्ट्रपतियों के पोस्टर की ओर देखा और कहा.



“मेरा नाम ग्रेस कैम्पबेल है और
जब मैं बड़ी होऊँगी तो एक दिन मैं
अमरीका की प्रेसिडेंट बनूँगी!”



इस बार सभी लोगों ने
उसकी बात पर यकीन किया.

